वारंट तामील करवाने गए कांस्टेबल की सड़क हादसे में मौत

टायर फटने से हुआ हादसा

जयपुर। शिप्रापथ थाने में तैनात कांस्टेबल किशन टेपण समेत कार चालक की सड़क हादसे में मौत हो गई। वहीं जयपुर का एक वकील गंभीर रुप से घायल हो गया। गौरतलब है कि 4 फरवरी को किशन टेपण वारंट तामील कराने के लिए वकील के साथ मध्यप्रदेश गया था। दो वारंट तामील होने के बाद किशन टेपण महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन चला गया। महाकाल के दर्शन करने के बाद किशन टेपण सोशल मीडिया पर फोटो भी पोस्ट की। अन्य वारंट तामील करवाने के बाद किशन

- राजकीय सम्मान के साथ की गई अंत्येष्टि

जयपुर लौट रहा था। इसी दौरान कार का टायर फट गया और कार सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। जिसमें कार चालक सहित किशन व वकील गंभीर रुप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाते वक्त किशन टेपण व कार चालक ने दम तोड़ दिया।

बताया जा रहा है कि किशन टेपण फागी के पास निमेड़ा का रहने वाला था और पांच बहनों के बीच इकलौता भाई था। मृतक किशन के एक 9 साल का बेटा है। मृतक के पिता रुपनारायण खटीक गांव में ही खेती का काम करते है। सड़क हादसे में किशन टेपण की मौत के बाद जब शव उसके गांव पहुंचा तो वहां पर कोहराम मच गया और शौक की लहर छा गई। पूरे मोहल्ले में चूल्हे तक नहीं जले। पांच बहने शव से लिपटकर बुरी तरह से बिलख पड़ी। वहीं मां और मृतक की पत्नी शव को देखकर बार - बार बेसुध हो रहीं थी। गमगीन माहौल देख कर पूरे मोहल्ले की आंखे नम हो उठी। जिसके पश्चात मृतक कांस्टेबल किशन टेपण के 9 वर्षीय पुत्र अधिराज ने मुखअग्नि दी। जैसे ही मृतक किशन टेपण की शवयात्रा निकाली गई। जैसे ही गांव के लोगों ने किशन अमर के नारे लगाने शुरु कर दिए। मृतक किशन की शव यात्रा में आईपीएस आदित्या काकड़, पुलिस उपधीक्षक रामधन सांडीवाल, फागी थानाधिकारी शीशराम मीणा,शिप्रापथ थानाधिकारी राजेंद्र गोदाराव पूर्व मंत्री बाबूलाल नागर ने पुष्पचक्र अर्पित कर पुष्पाजंलि अर्पित की। वहीं पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

ऑपरेशन आग के तहत हथियारों का जखीरा बरामद

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन आग के तहत भारी मात्रा में अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने अवैध हथियार का जखीरा बरामद कर दोनो आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रथम कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया कि अवैध हथियार रखने व सप्लाई करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया था। जिसमें पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मुहाना इलाके में स्थित विष्णु विहार कॉलोनी,कल्याणपुरा से सर्च अभियान में 7 पिस्टल व 280 कारतूस बरामद किए। मकान मालिक से पूछताछ में जानकारी मिली की प्रशांत पुत्र संजय भिवानी हरियाणा निवासी एवं अनिल कुमार जाट पुत्र सुल्तान सिंह चिडावा झुंझुनू निवासी अपने अन्य दोस्तों के साथ किराए के फ्लेट में रह रहे थे। आरोपी प्रशांत व अनिल कुमार जाट किराए के मकान में अधिकाधिक मात्रा अवैध हथियार व कारतूस रखकर अवैध कारोबार करते है।

दो निगमों के एकीकरण के खिलाफ कांग्रेस सड़कों पर उतरी

जयपुर शहर जिला कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट सर्किल पर धरना-प्रदर्शन किया।

जयपुर, (का.प्र.)। सरकार ने निर्णय भी नहीं लिया और कांग्रेस विरोध में सड़कों पर भी उतर आई है। सरकार ने जयपुर सहित तीन शहरों के दो-दो नगर निगमों को एक करने के प्रस्तावित फैसले के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है।

जयपुर शहर जिला कांग्रेस ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सर्किल पर धरना-प्रदर्शन कर सरकार की इस कोशिश का विरोध किया है। इस मौके पर जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा अपने इस तुगलकी फरमान से जयपुर के 50 लाख लोगों के हितों से खिलवाड़ कर रहे हैं। वार्डों की संख्या कम करके वे भाजपा कार्यकर्ताओं की भी गर्दन काट रहे हैं। क्योंकि 250 वार्ड में भाजपा के भी 250 कार्यकर्ता चुनाव लड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा तुगलकी फरमान के साथ राजधानी के लोगों के साथ अन्याय करना चाहते हैं। उसके खिलाफ आज धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार ने सुशासन देने के लिए वार्डों की संख्या बढ़ाई थी, ताकि शासन का हर निर्णय जनता के आखिरी छोर तक जा सके।

उन्होंने कहा, पंचायतीराज के चुनाव पिछले साल नवंबर-दिसंबर में हो जाने चाहिए थे. लेकिन सरकार ने चुनाव करवाने के बजाए उन्हीं सरपंचों को प्रशासक बना दिया। सारी सत्ता ये अपने हाथ में रखना चाहते हैं। आज जयपुर शहर के सभी साथी धरना देकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अगर सरकार हमारी सुनवाई नहीं करती है तो हम हर वार्ड में धरना लगाकर बैठेंगे। हम दो निगमों को एक नहीं करने देंगे. हम ब्लॉक स्तर पर धरना देंगे और कोर्ट की भी शरण लेंगे।

विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या

- आठ माह पहले ही हुई थी मृतका की शादी
- पुलिस ने मृतका के पास किसी प्रकार का सुसाइड नोट मिलने की बात से किया इनकार

जयपुर। जामडोली थाना इलाके में एक विवाहिता ने रविवार देर रात फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह विवाहिता अपने कमरे में फंदे से लटकी मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर जामड़ोली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने मृतका के पास किसी प्रकार का सुसाइड नोट मिलने की बात से इनकार किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पडताल में जुटी है।

थानाधिकारी सतीश शर्मा ने बताया कि दिल्ली की रहने वाली प्रियंका गौत्तम (25) ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की है। जिसकी आठ महीने पहले शादी विजयपुरा जामड़ोली निवासी संतोष गौत्तम से हुई थी। संयुक्त परिवार के साथ रहने वाला संतोष जयपुर डेयरी में गाड़ी चलाता है। पुलिस जांच में सामने आया है कि रविवार रात खाना खाने के बाद मृतका प्रियंका अपने कमरे में सोने चली गई। देर रात उसने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। सोमवार सुबह काफी समय तक बाहर नहीं आने पर परिजनों जगाने पहुंचे। काफी आवाज व गेट खटखटाने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिलने पर परिजनों के धक्का देकर गेट खोलने पर कमरे में प्रियंका फंदे से लटकी मिली। आत्महत्या की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) टीम की मदद से सबूत जुटाए। पुलिस ने फंदे से शव उतरवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस ने पीहर पक्ष को सूचना दे दी है। पुलिस आत्महत्या करने के कारण का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाला बदमाश गिरफ्तार

कर्मचारी चयन बोर्ड के फर्जी प्रोविजनल लेटर, चयन सुची व नियुक्ति -पत्र देकर करता था ठगी

- शातिर ठग करीब 8 माह से था फरार
- पुलिस आरोपी से अन्य ठगी की वारदात के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने सचिवालय में बाबु की सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के आरोप में शातिर ठग को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। शातिर ठग लोगों को कर्मचारी चयन बोर्ड के फर्जी प्रोविजनल लेटर,चयन सुची व फर्जी नियुक्ति पत्र देकर लोगों से ठगी करता था। बताया जा रहा है कि शातिर ठग के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद से वो करीब 8 माह से फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी से अन्य ठगी की वारदात के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि 3 जून 2024 को परिवादी गिरिराज सिंह ने मामला दर्ज कराया था। कि मेरे पुत्र को सचिवालय में बाबु की सरकारी लौकरी लगाने के नाम पर राजेंद्र व अरुण शर्मा कागदीवाडा, माऊट रोड ब्रह्मपुरी निवासी ने 6 लाख रुपए लिए थे। शातिर ठगों ने मेरे पुत्र के नाम से बेक डेट में फर्जी कर्मचारी चयन बोर्ड के प्रोविजनल लेटर, फर्जी चयन सूची दी । जिस पर शील,मोहर व हस्ताक्षर किए हुए थे। फर्जी दस्तावेज देते हुए राजेंद्र शर्मा व अरुण शर्मा ने कहा कि आपके पुत्र की सचिवालय में क्लर्क के पद पर नियुक्ति हो गई और 15 दिन बाद वो अपना पद भार संभाल लेगा। जिसके बाद दोनो ठग पद भार करने के नाम पर बहाना बनाकर टालमटोल करते रहें और कुछ दिन बाद दोनो बदमाशों ने फोन उठाना बंद कर दिया और पीड़ित के मोबाइल नंबर ब्लेक लिस्ट में डाल दिया। पीड़ित ने सचिवालय जाकर पता किया तो वो सभी दस्तावेज फर्जी निकले। जिसके बाद पीड़ित ने दोनो बदमाशों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया।

बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपी अरुण शर्मा व उसका साथी राजेंद्र शर्मा के खिलाफ पूर्व में मारपीट,धोखाधड़ी के मामले विचाराधीन है। पुलिस ने अरुण शर्मा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। वहीं राजेंद्र शर्मा की तलाश जारी है।

जयपुर में शहीद स्मारक पर अपनी मांगों को लेकर भीम आर्मी ने सीएम हाउस की ओर कूच करने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें वहीं रोक लिया।

निगम आयुक्त बताए कि शहर की मूलभूत सुविधाओं के एक्शन प्लान पर क्या कार्रवाई की : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने ग्रेटर और हेरिटेज निगम के आयुक्तों से पूछा है कि शहर में सफाई, अतिक्रमण और आवारा पशु आदि की समस्याओं के निस्तारण के लिए बने एक्शन प्लान पर क्या कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही अदालत ने डीसीपी ट्रेफिक से कहा है कि वह काटे गए चालानों का विवरण पेश करें। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश शहर को विश्वस्तरीय बनाने के मुद्दे पर लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में ग्रेटर व हेरिटेज नगर निगम के आयुक्त अदालत में पेश हुए। अदालत के पूछने पर हेरिटेज निगम आयुक्त ने कहा कि रामनिवास बाग में पहले फेज में 8 हजार वाहनों की पार्किंग शुरू की गई है। जबकि दूसरे फेज में बनाई गई 15 हजार वाहनों की पार्किंग को आगामी 15 दिनों में शुरू कर दिया जाएगा। वहीं सफाईकर्मियों की भर्ती के संबंध में दोनों नगर निगम आयुक्तों ने कहा कि राज्य सरकार ने भर्ती रद्द कर दी है और सफाई का कार्य संविदा पर कराया जा रहा है।

सुनवाई के दौरान मामले में जुडे अधिवक्ता विमल चौधरी व योगेश टेलर ने कहा कि शहर में कचरे के ढेर लगे हुए हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही। एमडी रोड व म्यूजियम रोड पर लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है और इसे भी नहीं हटाया। इसलिए नगर निगमों से अदालती आदेशों की पालना करवाई जाए। दरअसल पिछली सुनवाई पर हाईकोर्ट की खंडपीठ ने शहर में ट्रैफिक, पार्किंग, अवैध निर्माण, सफाई व्यवस्था व आवारा पशुओं की समस्याओं पर जयपुर ग्रेटर व हेरिटेज नगर निगम के कमिश्नर व डीसीपी ट्रैफिक को व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होकर यह बताने के लिए कहा था कि उन्होंने शहर की इन समस्याओं के निस्तारण के लिए क्या कार्रवाई की है।

कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा कृषकों को पहुंचाएं : राजन विशाल

कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के शासन सचिव ने कृषि विभाग की अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की

- अधिकारी कस्टम हायरिंग सेन्टरों का लगातार निरीक्षण करें
- सभी कस्टम हायरिंग सेन्टरों को शत-प्रतिशत राज किसान पोर्टल पर ऑन-लाईन करने के निर्देश दिये

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि कृषि विभाग की योजनाओं का समय पर प्रत्येक किसान को लाभ पहुंचाया जाये।

राजन विशाल सोमवार को पंत कृषि भवन में विभागीय योजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध में कृषि विभाग की अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। शासन सचिव ने कहा कि बजट घोषणाओं को ध्यान में रखते हुए अधिकारी फरवरी के अन्तिम सप्ताह तक योजनाओं को शत-प्रतिशत पूरा करें। अधिकारी फिल्ड में रहकर ज्यादा से ज्यादा किसानों को योजनाओं की जानकारी दें, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक किसान को राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

शासन सचिव ने कहा कि अधिकारी कस्टम हायरिंग सेन्टरों का लगातार निरीक्षण करे। निरीक्षण के दौरान सुनिश्चित करे कि इन सेन्टरों से कृषि यंत्र सभी जरूरतमंद किसानों को समय पर और मार्केट रेट से कम दरो पर दिये जा रहे है। उन्होंने सभी कस्टम हायरिंग सेन्टरों को शत-प्रतिशत राज किसान पोर्टल पर ऑन-लाईन करने के निर्देश दिये। जिससे किसान अपनी बुआई के लिए कृषि यंत्रों की इस ऐप पर ऑन-लाईन बुकिंग कर सकेगा।

उन्होंने बैठक में फार्म पौण्ड, डिग्गी, सिंचाई पाईप लाईन, कृषि यंत्र, तारबंदी, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, वर्मी कम्पोस्ट इकाई, कस्टम हायरिंग सेन्टर सहित विभिन्न गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं का निस्तारण कर उन्हें समय पर पूरा करें।

बैठक में आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल, निदेशक आत्मा डॉ.सुवालाल जाट, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस.एस. शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (रसायन) एच.एस. मीणा, सभी संभागीय अतिरिक्त निदेशक कृषि एवं समस्त खण्डीय संयुक्त निदेशक कृषि सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

होटल मैरियट के डायोनिसस क्लब पर पुलिस ने मारी रेड

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने रविवार देर रात होटल मैरियट के डायोनिसस क्लब पर पुलिस ने रेड मारी। यहां युवक-युवतियां क्लब में शराब पार्टी कर रहे थे। रेड के बाद संचालक ने क्लब बंद कर लोगों को बाहर निकाला। इस दौरान पुलिस ने क्लब के दो कर्मचारियों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को रात एक बजे जानकारी मिली की जवाहर सर्किल थाना इलाके में स्थित होटल मैरियट का क्लब रात एक बजे भी चल रहा है। यहां बड़ी संख्या में लोग शराब पार्टी कर रहे हैं। वहीं जयपुर में रात ग्यारह बजे तक ही क्लब चालू रखा जा सकता है। पुलिस कंट्रोल रूम ने जानकारी रात को गश्त कर रही जवाहर सर्किल पुलिस को दी। इस पर पुलिस के साथ होटल के डायोनिसस क्लब पहुंची। पुलिस ने क्लब में साउंड बंद करवाया। क्लब को संचालित करने वाले दो युवक और शराब पार्टी कर रहे छह लोगों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया और साथ ही क्लब को सीज कर दिया।

ओवरटेक के चक्कर में कार और ट्रक के बीच में फंसे बाइक सवार

जयपुर। आमेर थाना इलाके में रविवार रात बाइक सवार दो युवक ओवरटेक के चक्कर में कार और ट्रक के बीच में फंस गए। जिससे उनका संतुलन बिगड़ने से बाइक सवार ट्रक के नीचे आ गए। इस हादसे में एक युवक ने मौके पर ही मौत हो गई और दूसरे युवक की हालत गंभीर बनी हुई है।

हेड कांस्टेबल बिरदीचंद ने बताया कि हादसा रविवार रात को कूकस (जयपुर) स्थित होटल लीला पैलेस के सामने हुआ था। जहां जयपुर से एक बाइक तेज रफ्तार में दिल्ली रोड की तरफ जा रही थी। एकाएक युवक आगे चल रही कार और ट्रक के बीच में बाइक ले ली।बीच में फंस गई। बाइक का हैंडल ट्रक से टकरा गया। इससे बाइक सवार युवकों का संतुलन बिगड़ा और ट्रक के नीचे गिर गए। इस हादसे में बाइक सवार दिनेश (35) निवासी छीपा का मोहल्ला ब्रह्मपुरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शंकर लाल (31) निवासी कागजी मोहल्ला ब्रह्मपुरी की हालत गंभीर है। जिसका इलाज एसएमएस अस्पताल में चल रहा है। दोनों युवक हलवाई का काम करते है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा दिनेश का शव परिवारजनों को सौंपा।

अंतर्राष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन 9 मार्च को जयपुर में

जयपुर। आपको जानकर हर्ष होगा कि गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान के द्वारा 18वां अंतरराष्ट्रीय युवक युवती परिचय सम्मेलन दिनांक 9 मार्च 2025 को भगवान परशुराम भवन सेक्टर 4 विद्याधर नगर जयपुर में आयोजित किया जा रहा है जो अभिभावक अपने पुत्र पुत्री के लिए सुयोग्य वर वधू की तलाश कर रहे हैं उनके लिए यह सम्मेलन सदुपयोगी है

अब तक समाज के 50 हजार से अधिक परिवारों को इसका लाभ प्राप्त हो चुका है देश-विदेश के उच्च शिक्षित,डॉक्टर,इंजीनियर उच्च सरकारी सेवा में सेवारत वकील प्रोफेशनल डिग्री प्राप्त युवक युवती के साथ व्यापारिक जगत में कार्य करने वाले के साथ-साथ ग्रामीण परिवेश के युवक युवती को भी इसमें स्थान दिया जाता है जो भी अभिभावक अपने पुत्र पुत्री का बायोडाटा परिचय सम्मेलन की पुस्तिका युगल दर्पण में प्रकाशित करवाना चाहते हैं निम्नलिखित मोबाइल नंबर पर फोन करके सूचना प्राप्त कर फॉर्म भर कर जमा करवा सकते है फॉर्म भरने की अंतिम तिथि दिनांक 15 फरवरी 2025 है आपसे अनुरोध है इस मैसेज को अधिक से अधिक समाज बंधुओ को शेयर करें जिससे कि सभी समाज बंधुओ को इसका लाभ प्राप्त हो सके। परिचय सम्मेलन का फॉर्म राजस्थान के सभी जिला एवं तहसील इकाइयों के पास उपलब्ध है वहां से भी प्राप्त कर सकते हैं।

थार और स्कॉर्पियो से स्टंट करना पड़ा भारी

ग्यारह काली थार और तीन स्कॉर्पियो जब्त कर सात स्टंटबाज किए गिरफ्तार

- करधनी पुलिस की बड़ी कार्रवाई
- स्टंटबाजों पर पुलिस की सख्त नज़र

जयपुर। राजधानी जयपुर में स्टंटबाजों पर पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। इसकी एक मिसाल करधनी थाना पुलिस ने पेश की है। जहां सड़कों को रेस ट्रैक समझने वाले नवयुवकों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ग्यारह काली थार और तीन स्कॉर्पियो जब्त की है। यही नहीं सात स्टंटबाज चालकों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार भी किया गया है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि हाल ही में सोशल मीडिया पर काली थार और स्कॉर्पियो से स्टंट करने के वीडियो वायरल हो रहे थे। ये स्टंट न केवल खतरनाक थे, बल्कि आम जनता की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर रहे थे। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी थाना अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल और सहायक पुलिस आयुक्त सुरेंद्र सिंह राणावत की देखरेख में करधनी थाना प्रभारी सवाई सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पिछले दो दिनों में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान काले शीशों वाली तेज रफ्तार गाड़ियों पर नकेल कसते हुए ग्यारह थार और तीन स्कॉर्पियो जब्त की और स्टंटबाजी करने वाले सात चालकों को गिरफ्तार कर लिया गया। युवाओं के लिए यह मामला एक बड़ा सबक बन सकता है। महज सोशल मीडिया पर लाइक्स और व्यूज के चक्कर में स्टंट करना अब जेल की सजा में बदल सकता है। पुलिस ने साफ कर दिया है कि सड़क पर स्टंटबाजी और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चौदह वर्षीय लड़की से छेड़छाड़

जयपुर। करधनी थाना इलाके में चौदह वर्षीय लड़की से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। जानकारी में सामने आया है कि घर आने पर आरोपी परिचित अकेला पाकर उसके साथ गलत हरकत करता। विरोध कर नाबालिग बेटी के अपनी मां को शिकायत करने पर उल्टा उसे ही कमरे में कैद कर दिया। इस संबंध में नाबालिग पीड़िता ने थाने में मामला दर्ज करवाया है।थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि कालवाड़ रोड की रहने वाली चौदह वर्षीय की लड़की ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी मां का परिचित होने के कारण आरोपी का घर पर आना-जाना है। आरोप है कि मिलने के बहाने आरोपी परिचित उनके घर आया जाया करता था। घर पर अकेले में नाबालिग को देखकर आरोपी परिचित उसके साथ छेड़छाड़ करता। विरोध के बाद भी आरोपी के गलत हरकत करना बंद नहीं किया। नाबालिग बेटी ने अपनी मां से आरोपी परिचित के बारे में बताया। उसकी मां ने नाबालिग बेटी को सुरक्षा देने की बजाय दूसरे कमरे में कैद कर दिया।

अवैध शराब की सप्लाई करते दो शराब तस्कर गिरफ्तार

विभिन्न ब्रॉन्ड की 150 पेटी देशी शराब बरामद

- शराब तस्करी के काम में ली जा रही लोडिंग पिकअप जब्त

जयपुर। मालवीय नगर थाना पुलिस ने दो शराब तस्करों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने भारी मात्रा में देशी शराब और सप्लाई के काम में ली जा रही लोडिंग पिकअप जब्त की है।पुलिस उपायुक्त पूर्व तेजस्वनी गौत्तम ने बताया कि शहर में बढ़ती मादक पदार्थों व अवैध शराब के क्रय व विक्रय के परिवहन पर लगाम लगाने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया।

जिसकी जिम्मेदारी पुलिस उपायुक्त आशाराम चौधरी को सौपी गई। आशाराम चौधरी ने सुपर विजन में अलग -अलग टीम का गठन किया गया और तकनिकी व मुखबिर की सूचना पर अवैध शराब तस्करी करने वाले लोकेश कुमार सैनी (22) पुत्र गोपीराम सैनी आलूदा,पापडदा,जिला दौसा निवासी व राकेश कुमार मीणा (24) पुत्र मनफूल मीणा,ग्राम आलूदा पापडदा,जिला दौसा निवासी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से अवैध शराब परिवहन करने वाली लोडिंग पिकअप को भी जब्त कर अलग-अलग ब्रॉन्ड की 150 देशी शराब की पेटिया बरामद की है। पुलिस गिरफ्तार दोनो आरोपियों से अवैध शराब से जुड़े अन्य तस्करों के बारे में पूछताछ करने में जुटी है।